

एगों नेडिय टेप्पा किया किया किया मिया द्रोमर्रा, ग्रोमर प्रांणि स्वर्थाण स्रिम रेण्य थोऽम्रु'; स्माण उनट° उद्यम्म *ऋभीऋर्त्रे हैटीण्या"*

> -र्निटम एए (ॐए टेंक्टरीं चट॰ मर्हा लेंग्रेस॰ न)

沙呼

-ष्टमा ७६७४ व्याप्ट रागुष्टच प्राचान्य प्रधान ESSG T@MU. ചാവ മുക് ഹുനായുട്ട ॥ विश्वकरत् प्राचित्रक द्वर्यम् क्र 'गाट॰मप्पे एपाराधि । ;ह्रीएक पार्भाद द⁶मम हो हत है जिस्ता है जित है जिस्ता है ; जबह्य स्ट्रीब्ट द[्]मर शेष्टबंग एष्टम बंभोर ॥ रिराटाम क्या, मन्या, ष्र्यं र्रंटोणि सिंधे स्वाहरू: ,ण्यार्थ्य स्वार्थे स्वार ॥ ४८मार ४ शहर अभ्रत्न भ

ਸ਼ਾਟਾਜ ਦੀਆਂ ਛੱਟੇ੨ਦ; ॥ १५४माष्ट्रयं स्टर्गार्ष्ठदर्श्ट ॥ विशिध्यात्र क्या मन्याप्त हर्ष उन्हें पौर्ण टक्स्टर्जा; n स्री०ज्ञात्र द⁶भ5मात्रा ह्याहित पर्शास पर्शास ग्रदंग र्से एक भारणारमार्भ ा रिराटाण चंग्र मन्टाम सर्

प्रत्रणष्ट्री टीणट

-स॰ट प्रा॰ट॰म

मुद्रप्राद्रभः स्थाय श्वराय द्व जनारम उन्हें स्वीप प्रतामा सिंभ समानदण; र्गाम रिकार स्थापित विश्वास प्रांभ सँले टेपटर, ग्रदर्श रोभोरजनभ्रयाण्य जन्दे ;स्योत्रत्र डिपरि प्रोर्क्ण र्रेंस्स ४७ऽणील ५रेंत त्रक्रम सम्बद्धाः सम्बद्धाः मधन्न राजस्या मार्काण ीणीलग्रास ग्रह्मीलम्म ग्रहस्वरञ्जभार म्हस्य श्वामाय राष्ट्रम् प्पार्ट्स भाम क्षेक्ष

> लगासम क्रम न्धेरण्<u>षत्र</u>ण स्वार्

መ电ቢር, ሷዴኒል ዾ,₆.2.40. THE TAK WATHE %प्रमण्डा जिल्ला स्थान MENG SARAGE THSHA ५८०८ वर्ष विष्य सिक् , त्रष्ठ अस विष्य विष्य ग्राप्तमणीत एविट°. **पारित्रक्षार्ट वर्ष्य्रक राज्या ШОड्र5सि जिम°०४४ ४म**ऽर्टा रिक्स सहीय के जिस्सा मामार्मे स्वाप्त के जिसमा मामार्मे स

रमठायोज गुभीलुद्ध रेह्न गुरुद्धरे हर्म

क्रितरंत्रम ठें अ॰ र र र र र क्रित त्र स्ट व्र<u>र</u> स्टर्श्न प्रस्ति ज्याधिक मनम् विष्य स्रिमार्ग एपार्यं प्रसंह °र्टामा त्रेष्ट प्रमाध्यात प्रमाध्य प्रमाध्य प्रमाध्य प्रमाध्य दणीए एवर परिष्ठे हर्दर्श गम्म प्राच्य गोरेष्ट्र हेएर रुभएर दर्ध हर्म क्रिस्त प्रष्ठा क्रिस्टर प्राप्त होजा महीज अस्त्राष्ट्र ग्रह्मच गाठभवतं हे त्रैयं के देहभारा प्रह्मच न्ध्रस्थर स्ट्रहणा रे รสแบบของสงาม โสนัน เหมา गुरुदर्ग दर्याम प्राम प्राप्ताप्रमास्त्रे टॅर्क नटे

ह्या हिन्दी म

इंग्र प्रभारत तिस्त्र होता है शासमा अध्यम

18सर्वर⁶2क्र महण्णणाप्त-

°5ण४७णध्यार्याण शब्दाम हिम में अधिक राजिक स्थार्ट स्थाप्त एिए जोपारमर्गाए एिए \mathbb{D}^{-1} न्यामुष्ट ४.८.४ ५.स्माउ स्थार्ष भारत भारत भ्यामुद्ध रुग्धर्प . स्युक्त स्थात्र मा स्वयन स्थाप स्रधा श्रीया रेप्रेम **முகம் முகம் முழுவா முகிய ு மேகம் அறை** द्वाण्याक अभवतात्र प्रज्ञाचार देंग्रह देंश्रेणएए मजार्थम अध्याप पासक ध्वर्थरू **ද්**ਘ්ਘਾ ශ්ලදාග அறால் யல்கள் मर्रम ४र्द्धन अध्यार्थ्य प्राप्य दिष्राद प्रक्रम प्राप्तर प्रमद स्मि संग्रे अस्मिणट॰ O°रे॰ समी, सेंडिस समी प्रतन्त्र प्रभःत्र भग्राप्त നാലുക്കാകും അവരു വേനാ प्रैंक्री अवटी गेंध ग्रेंक्र ന്യൂ സക്യ മംവമും त्तूत युन्ता<u>श्रम</u>ः गुश्र मिश्रिगाय अरुद प्राप्तिके തിയെന്റ് ഉയിം പ്രത്യാ ल्डिंग प्रेक्ट व्यक्त प्राएं प्राएंका क्लेड्स मिकिश्याम् वाह-हरश्रम् ीज्यार्ष इभा निर्धा मा । जिल्लाहर अल्ला स्ट अन्य का अल्ला संस्थान

गोष्ट्रम्मर्टाष्ठ : ८०टेम ॐमर

IMPHAL, SUNDAY, NOVEMBER 27, 2016

श्या वर्ट-मेट्ट /गामाल्यम (भर्षमा) हमारीम पार्ट्सम र्जिट्य र्जार्ज पाठित र्जारियारि सम देवार राज्यक्र प्टे टेड्रएपिया क्षेत्रहें परिष्य प्राचित्रहें प्र गोंक्रकेटा, गोंक्रिक्रांपा, प्रेक्ष्यांपा उपटारा ॥ हार्याः में उर्दे दर्शा महाम महाम अहराम अध्याप अध्याप अध्याप महाम हरूर रोधम , भन्र हर्नेर रुप्रेम प्रदेश भारत्य रेट्र पार्क्षक रहम माम हर<u>न्त</u>र मामणा पए। पए।ए ठेर ठेमणाम, प्रानुहरू ഷ്ട്രച്ച് വെപ്കുന്ന് പ്രായന്ത്രായ് വെപ്കാര് उमर्र भन्न , ल्हम रहणार्र पा॰न उपार्गात ब्रिटिज ॥ विद्यारित वर्न र्राणेल ग्रेंबर्भर दर्भर अहर्राण ॥ भिर्माभिवर्द ग्रामा५मण भेर रिस्ट्रा अर्ट्स मार्च सेस्प्रा रिसर्गारियर होजन ॥ दर्भर ीणागीलब दर्गश्रब । रिप्पर्वेदर्ग दर्म-भीम भारभीम भागर र्टेंड विमार्ग रेंड केंद्र किरोल किरोल हुने हैं है विमार्ग स्वाधित हैं ीहरदर्क है अन्ह्यार जिप्पोह्न दर्ग रह्म ॥ विरुत्र एदर् गुडमण्यात्र समर्था भाष्य क्रमा भाष्य हुमा ॥ अध्य स्वाप गुरुदर्गाम स्राप्तिमुख्यांगा अर्ट्सार्य ॥ जिन्हे भार्ये विद्यार्प रोक्ट्रे हरदर्धाम भाम हिमक्स ॥ ५५०० २ ५५ रहिम हा एवर हम् अराध हरमा हरूर क्रियाम हरहा हमध्य अप्रतेष गानस हमार्ट्स हुमें, हणोलद ,हर्य-भीमें जहरू सेटन्होष्प บส์สมัติ ชสมา แสเมธานน์ โชคร เมโบสร์ โขเสสมา แว้คอส हरम पार्क्या, गिमर्सर पारठर्स क्रिक्स पार्वेट किरहर्मां व्ययम व्यक्तक प्रसम्बद्धाः ॥

ए प्रस्तं प्राण्य हे निस्मर्ग्य भावर्ष्येष्य , विद्याणिय के प्राप्त माञ्चल प्राप्त हेड राजभारत है जिल्लाहर के जिल्लाहर है जिल्लाहर ॥ गुर्फ गिगाप्रभंद्र ग्राप्य कि जिल्ला ॥ 'इमभन्नद्रंद्र श्रुंच्रह्मण -ਕੁਜ਼ । 'ਤਸ'ਤ ਹੁਕੂੰ ਸਾਂ ਸ਼੍ਰੀ ਸ਼ਹੀਰ ਘਾਰਿਕੂਰ ਪਿਤਿਘਾਨ ਹਿਜ਼ न्यस्ट स्टर्भ सुस्तर विद्यालय है जिल्ला । विस्तर के स्वाधिक स्वाधिक स्वाधिक स्व ॥ दर्श्वभंतर माराज्य र्रा भाराधाराज्यसम भारत्यम् रहस्त्रीएम र्भेषार्थ से हेर्न ए० ज्यूदर्भ एचार्थ एक प्रमुख प्राप्त प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख ग्राम रिकार, उनिहर मिर्याणीया भिर्वर् भागवर्त्यो एक्रस्य एक्स्या अधिक, सेटे एणार्थ अधिक सिर्म सिर्म होत क्रियमण, टेकर, क्रांचा मार्गण्य रेज्य मार्गण्य, रेकर, ज्ञांचार्म, रेक्टम, महाण अर्थेट दिल्ला १००० विस्तु १५६५ वर्ष प्रमान ीण्यमध्य सार्वास स्थान स्थान प्राप्तिक १९५८ द्वापार प्रापार्वेद हैर्कर गिगीटाक जस्तरिस होत्रवर्त्रवर्र जमटाम (४ :दं) '।। जभ्भस सेटेंगोएक टेंभीर के-क्रिये, एसिंप O'मटांगाएर, एसिंपार्या ्रभुण हों भुट्टे छन्न्टे सहदर्श्याम गिर्म अन्यामांत भारम्भारा र भिर्म जिल्लामिट के मन्त्री जिल्लामिट अमर्स ीणावारी स्टर्स भादर्श्य भारतमस्स ॥ स्ररंगा भादर्श्य , भिद्ध ग्रेप्रनटें धारिष्ठ समय देंसम्ब्रह्म अ

रहर्द्धाणी ॥ १५ मार्च मार्चे हिल्ला रह्म च्रुडिक स्वमुख्य, दिन्न हरडामण्या क्रम्प्य अद्भवतः . ण्योलेरदर्भ ह्यारि भिष्ठीम ॥ गिष्ठेष्ठ ध्रमध्यम , भिदर्क ग्रदर्भी, एउटे मण प्रम रजर्र , १४४५, एउटे रहाए, जय्यूम भाग्रिस निवस्ति 'निवस्तु -स्टार्फ ीर्गर्म ीर्गर्म ॥ ज्हर्सक्ष टीकाम ीटम ॥ द्विम जास रेबर्क रभूरार्गा ,रभूराचे पारा ,रूप्त प्राप्त ,र्रें एवर्ष प्राप्त ।रिज्ञां होडेअर जबराधि गार्यमा विभाग विभाग करायि भारति राप्रसार्क ॥ दक्षेष्ठ ४ दक्ष वाच रामुख्य भारा ।। वक्षे पायिया ॥ दर्ध ४००० अंटर्स्सार्म विषयां भार्ते रायियां भारति स्वर्ध हिटे के होण (Thales) हे इस हो हो हो है जिस माने हैं है जिस है सेंकर्र पज्रएल नेक्समसी, "all things are full of gods, that the magnet has a soul because it moves iron. Things are varying forms of one primary and ultimate element." सेंट क्रेडिंग अंतर्र केंद्र हैं ार्ट्यम विभाग पार्टिस सम्बद्धाः इस्ट्रेस्ट विक्रम विभाग स्थापन

टॅर्न एंग्वार्न्ट खेल

(पाभिवर्ट राटपार्क ग्रद्धां अर्धियाः)

वैन एेणन वेख लৈছৌ লোংছৌলোল

जारङ्ही रच्हरेन

'प्रोटाद' रिराम ह्या प्राटाभिंगार प्रमणाह्या ॥ राज्येभवर्द् रिराम णार्य हे स्वाय्य विभाग । विभाग में प्रायम विद्युष्ट विभाग विद्युष्ट विद्युष विद्युष्ट विद्युष विद्युष्ट विद्युष विद्युष्ट विद्युष विद्युष्ट विद्युष्ट विद्युष विद्युष्ट विद्युष विद्युष्ट विद्युष्ट विद्युष विद्युष विद्युष विद्युष्ट विद्युष विद् हिटि ७७६म, पण्टेषाटि सिंह एक स्था प्रस्कर, 'एपाएसि' ॥ भिदर्श दार्चा मञ्जर्रा

अर राभवर्ष गाउसार्यम प्राप्तिय प्रमान क्रिम ॥ शिष्ठिष्य विष्य ४०० ४१ क्रिम ॥ प्रि विष्य प्रतिम जैसेटा टेजिंग मन्द्र लीवरहात, जिस्ति के जिस्ति हैं जिस्ति है , भिदर्श मणदर्श्योग एम ॥ भिष्ण इस्पर्ध मापाठभणले ह्याभिमा गुट्टे मसम समा संकार , ज्यभग मापायदर्ग व्यवस्था है दर्श -प्यत्म र्रा भाम । दाँचा पार्रिवर्ट रमर्डे भाम ॥ १ एरा उत्तर क्र केंद्र किया है कि सिंध केंद्र किया कि सिंध केंद्र कि कि अध्याध केंद्र कि कि सिंध केंद्र कि कि सिंध केंद्र कि सिंध कि सिंध केंद्र कि सिंध केंद्र कि सिंध केंद्र कि सिंध केंद्र कि सिंध कि and Universe. Cosmos ए स्नालेख ऐक्र<u>म</u>ा अंकर्रिए। पाज्या Universe ए एसिप-ग्रेय ग्रोचटीठ सेटाम <u>गाल</u>ा कि ,एजबपारम र्प भाजस्तिम ॥ एतिया भगरिके रिक्सिर र्वेज स्थाय प्रमाधार स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य जिरिधितर्थ मास्त्रित प्रमास्त्रित प्रमास्त्रित जिर्मा $oldsymbol{n}$ भा<u>भन</u>्ददर्स प्राथित $oldsymbol{n}$ श्रीमण भाजमन्त्रमह भाभ<u>रत</u> ॥ रिस एउ एक हे जिस है बर्फ एक प्राच्या उदर्श क्रमण्डम रहरूर ह्यान्या अन्तर ॥ रिमर एव पालम्य मह्या हरम ,ੀਕਠੋਂ ਕਜ•ਤੰਜ ਾਫ ਘਾਹਜ਼ਾਹਾ ਜਕਹਾ <u>ਰਾਜ</u>ਕ ਕੰਨੇ ਆਕਰਾਜ਼ਨ ਨੌੜ ॥ ५४ दर्श भिदर्भ हर्स्य हर्स भादर्भ म

र ७५३ स्राध्य पाधिदर्श भाष्ट्राण्य प्रधादर्श्य `इस्त्री, लाजन समार केंद्रकें लाउन लाउन हाती, र्देस्भ प्रति सेटामि प्रति सम्भ प्रति सम्भ प्रति सम्भ उगाउन रहीं राज्य । विसाद विभाग रहीं राज्य रहीं राज्य रहीं राज्य स्थाप ෆਟੇਡਟଂਕਰ ਲੋਡਰੈ हि ෆਿਸਟਰ ਨੇਂਡੈ ਸਾਰਿਆਸਾ, ਲੋਡਰੈਂਸੀ -दर्ब रिमप्र मडापीठ उमर्र ग्राप्यभागा परिद्र्यात रूपमण रहाण अराजिय हानिया प्रमाण्य प्राचित्र में प्राचित्र में प्राचित्र र त्रवत्त्र सम ग्रहिन्धमूट्ट ॥ भाषान्यवत्त्र क्रिक्ट विभाभम ୪୭୩°୦ ୪ିୟର୍ଜ ୨୮°5ୟର୍ଚ୍ଚ ୪୩ରମ୍ଲା स्ଥାମ <u>भर</u>्थेषा ॥ ୪ୀୟଆ[େ]

ः तैर्नं एभार्नंतेष महमह*िया* ቩጆ√ ः ऋषम् <u>मोष्ठर</u>ा ः लेट" मधार्ट መت हेगार मन्त्री : ६०९६

A III & A III ಃ ಸଂшर्वे गार<u>ुर</u>िष्णः ७७, त्रेञ्छा गारेणा

шाटाय हाटामध्य हत्यत्वात् केष्ट्र जातायय अध्यानप्रमाष्ट्र भिर्मा वित्रं में प्राचित्रं के अर्थ के वित्रं के अर्थ के वित्रं वित्रं वित्रं र्टेंद्र केंक्र इस्प्रालिश अंदर्भ राज्यां है केंद्र इसके हैं केंद्र है केंद् निवम गार्जंडमल्ट्रेड प्रामम विप्रभक्त म्हर भादर्द्भ टॅएम, क्रेमोटेब्ल पहु स्थोठ, प्रसूठ ससीय महैं उच्च उंटर ्राजिक्षणात्मान्त्रे स्वात्म अप्रमान्य भाष्ट्रमान्य के व्यव्य भाष्ट्रमान्य के व्यव्य ॥ अन्य नार जीतम जातम उत्तर जातम अन्य केन जा आपातम अन्य अन्य जातम -प्रचार्य पास a2 महर्य ॥ विज्ञां र्य हरूपार्य राज्याज्ञां त्याच र्वेद्धर प्राणिक्य रेंद्रवर्ध ॥ विचार्वर प्रदर्गाण जाभेर गामा ा जिर्द जिल्ला मार्थित पार्थित जिल्लामा मिर्चित जिल्लामा भिराम उद्या मण देशि भामम हेदर्व उर्व प्राच्या अमह 1 जिल २२ विष्ण शत्व आत्माभी आतम है दर्वर ॥ हो १ हत सम

गाञ्चर सार्य जोठमठ पाग्रवर्ट होलम हुहुक्र ॥ भिन्न किया मर्जर रहणा ज्या कित्र , रहामा कित्र वि क्रिएणहरू में अधिया ॥ मित्र के रहे हे अभिया मित्र हैं ॥ संभू प्रजातम्बर्ध मा (असरा) वाराय देश्वाच (असरा) विश्वाच वर्णात विश्वास टेणजाणी, उटरण पास्त्री पारे पारेनाणी आएउ एवं उमर्रा ग्रहासर के जिल्ला सामा स्वाप्त के प्राप्त के रमक प्रत्याटक स्थान स्था บทิดิ ชสด์ Heroic Couplet रूच्यम ใจหาด รสด์ บางการ ಹತ್ಕು ಬ್ರಹ್ಮ ಬ್ರಹ್ತ ಬ್ರಹ್ಗ ಬ್ರಹ್ಮ ಬ್ರಹ್ತ ಬ್ರ ०मण र भागवराम हो०ण परिम ॥ गिर्दाधागिभ्भारं

"His (Milton's) concept of heroism is totally different from that of the martial spirit of the old epics and the Chavalry of the medieval romances. To him fighting the battle of life with faith in oneself and in God is heroism." 脏㎡ ਸੇਨੌਂਕ ਜ਼ਹਾਰਿ "the better fortitude/of patience and heroic martyrdom/unsung" ជាវីភ្លា

स्योग्डर्ट जरूटी निर्देशीय होतर हा हिल्ल Satans or devils of แบบ สังธุร ธัสสุร แต่สวา-क्रिएस एए मार्स निर्मा निर्मात किरा मिर्द्र रिक्स मिर्द्र प्रति मिर्द्र प्रति मिर्द्र प्रति मिर्द्र प्रति मिर्द (अटाउँए। उपार्थित क्रिक्सी अपार्थित त्रिक्सी अपार्थित अपार्य अपार्थित अपार्य अपार्थित अपार्थित अपार्थित अपार् रम॰० जणीभव वर्मक् भाष्ठह्रील पर्वाधावय विवास . इस्रीण किया (प्राचीक्र्य) , भिदर्क स्रोलम ॥ डिभन्न जर्बण गामापाठणा , अधिय हे रहमाण्य / स्वापित स्म मिर्म /ह्रणाइर मह्या भिन्न किया मिला करा मार्चित करा महिला हुन टिन हैं हैं हैं हैं है जिस विभागता मार्थिय वर्ष कि हैं र्ष्माष्ठम र्राणिक र्दैन्नरः॥'(रेः६०)

टें इंटा इंडिंट के स्वार्ट के स्व ॥ भिर्छ ४ मण्य महम्मण रिष्ठार्षार्जम णहायद र्यम हिल्लाण्या ण्या स्था सभी एक प्राप्त समाधिक प्राप्त स्था समाधिक प्राप्त समाधिक प्राप्त समाधिक प्राप्त समाधिक प्राप्त समाधिक समाधिक प्राप्त समाधिक स मुस्तात ग्राष्ट्रस्

हिन्समह्यार्थ विभाविष्ठ



। जिमध्य भामभू स्थापिता हो मु मिक अट अर्ज भार अवस्था है भार भार का गानु गांष्ट्र प्रियः वश्वा स्पर्ध स्ट्रिया, स्थित प्रणीलिष्ठभू पार्भिष्य पार्व्य ौठणौरू णाहुक्य ौठभर एण⁶ए श⁶म⁶म ोहर्स्ट्रा भाषणीय, दर्धम धरदर्व एटाएम किर्माटा हम्मे हम् । है दर्गात्र किश्विष्य जन्म उन्हरू थ्यातम भाष्ट्रणील द्रामा प्रभिद्रक् ण्यार्थम । जिमक अञ्चल्य गांख्या ज्या ज्या हो ज्या हो ज्या है । माठभार्ये टामर्थाणं टेमान प्राप्तक णहरूर भन्न भारत पार्ररूक रुक्तिक

अंभन्म एएवर्ट जावार्यवर्भ ४५५५ वा । रिभाग रिप्ति रिप्ति भामवार्थ उठदर्ग मनभ्गार हमन सदर्रस्म रिमा रिसम्भम ॥ क्रम्न हम्भ उठन प्रांटाप सरगभन्त राजार हुएमा ग्रन्थर अराम्य ।। विदर्भ ज्ञान केर ज्ञान केर कर गुन्द भाषरामाराम गाम्यस्य ॥ मान्यस्य प्रकार हम । 'उट्टायर मंत्रभीय दें चार्थका । विभीय पामक वर्ष मार्च पार्थका विषय विभाग हीधीय होशे इ. तथे रजर्र एभर एभर एयर्ज मा मिमध्य मध्य राज्य म ीपापमद जीटाम ॥ जिल्लार ०३ मिड टिस्सिस्ट्र स्थिप्टिम ॥ पाडाप्टर स्टिमि बलाफ ,बणाडणीटाणीट मोर्ड होंधा निवस रिवर्स एवर्स एक होंधा विषय भार्रद , रिज्य एटेपार्टिस ॥ हुरदर्व स्वाभ्ये भार्य रह्म ४ भार्य भारम पारेमारेक्ट प्राप्तेक्रमार्ग टॅंड, एसिमेपार्ग राज्य मेख्ड हेव्हर प्रारेख्टकः॥ येद्रव रक्र भाषकुद उँडाप्य हक्क ॥ विमार्ड पार्ड मेर्ट भारत अर्थिष्ठ है प्य हक्क राज्य राज्य । रिममञ्चार्याज्ञ स्वसङ्ग रूपदम्भ स्वाध्यम

रदर्य । दण्यभेषा रुरदर्य एण्ड्म । 'ज्याज्य र्वाण्य ज्ञान हरमध्य भारत्यात्रयांचा दर्षमा अंद प्रस्तुत ॥ भिमार्याधाः भारत्यम् । दें उर मणुआरपार्थीय हमगुर हर्मय सहर्य हुई में भार्यम होडपारी । ज्योहदापद हरू मेर उँडण हमा ? जिल्लाभ आराज का भाग वर्षा मेर उहर मेर दण्यतम् अस्पेन अरद्धा । न्निज्यस्य विराणक व्याक्रपायके अरद्धा ॥ एवर्ड रिटिय स्वामुब 'क्रायर्ड क्रियार्ड ।। रिस्तुक 'ब्राय्या भेडे एवर्क व्याप्त भेव मंद्र ॥ 'भेंक राज प्रार्थ भार्य ॥ भेंक होणार्थ हेपार्थ होणा होते । एमर्र के में में त, हजामर प्रोधवर्ड एके ॥ विमार हा<u>मए</u> क्रिवर्ग्स्ट वर्ष्ट जापार्टिक णोधवर्ड ह्रस्व रामव क्रिकार देम ,राष्ट्राच्य हर्सम राष्ट्राचार हाम । वर्षां राम णागारापाक्रम मारीन गिपानुस्त गिर्णार्डापार्डिया रिजयहर्द्ध स्रीज्याञ्चनम्य जस्तर्द्ध रोधणारीक समस् स्टबर्क रोधिक सरदर्क रिभावर्यम । रिजायराम 11 ° भवर्ता के ताब रोठक र र पार्क रोभर्त विभावता अभ

भूत सर्वायस्थित है कि । वर्षा मिर्म पार्य अवर्धा कि भूत , यह वर्षा ॥ दर्क ग्रेडायर्ड सदध्य भारता श्रम भाव विद्यार्थ स्थाप । अर्थर र्फेन एक भेद । दर्ज दक्षि महि रहिता प्योधदर्घ १ भिष्विष्य दर्ज एटेप्परिष्य स्टर्श स्वार्थें प्राप्तम । मंत्र व्याप्टान्यम् एसदर्श ।। व्याप्याप्तम् क्रिसोन्प रणस्थानस निसरदर्श हुसूम । र्हाप्य स्थानिय अस्निर रोजर निर्मा भाष्रभोमम णभवर जार्र मेव , ज्यार जार जार प्राची पार्य प्राची । प्रा **्राञ्चा अध्या**

गिप्रसा। ब्रिप्ट समें 50 सन जिस्सा पारमभदोर्च सद देश्व-देश्व, ७४दिश्क -ෆග්ව ඉග්රාවර එලා හ<u>ෙන</u>්දී කියමින ਅවරු වෙන්වෙන සහ ਅයා වීමය ක<u>වන</u> ග<u>වන</u> වීස ल्यापुम जिप्पारिष्ठदर्गात र्लित प्रमुद्ध जिंडेप्प'ष्ठाय रुक्षित्रमञ्जा । रिद्यप्य प्रमु उन्हार्गका उन्नाव ता वा कारों कि उन्नाव के प्राप्त के कि वा कि वा वा कि वा वा कि वा ॥ थरभग मर्जर हुए लोकिन ब्रहम ले हुंस ग्रंस भार्य ब्रह्म ॥ ब्रिम्ब मार्म भिट्टेपार छा । रिमारम मार्ग रेखा ७५ रहर्द भिरुद रहर रहे र राम उहु छोटा हा से अस ए से असे में एक के लिए से स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त से से से से से से से से स ारिमारक रिपामा अमर्र कार्या क्ष्या अमण्डल । रिसमः हुसँम भाटेप्पंटरा गुरुक 'ग्रहीधें स्थार्थ विषय ग्यार्ज मं रमोगायु ॥ गिर्ममोगायु यार्ज म ब्लाय स्थायम र अधार उद्धार उद्धार इत कि हुन से मारे निर्मा महा पाईए हिस्स भारत है जिल्हा ॥ रेन्द्रजन दर्श्वमाक ग्रात्म क्रिकाल हुएसम सम्म रिपार्टमा १ व्यक्त स्वर्ध एष्टरूपामाक ण अमर्ज । विर्वेठ पाजमर्ज विष्ठिष्ण हिल्ला । विर्वेद रिप्य हिल्ल प्रमुख ण्यार्या ॥ विराधित साथित व्याप्त क्षेत्र व्यापत व्यापत क्षेत्र व्यापत क्षेत्र व्यापत व्य ाधिया हरदर्व राज्याद्वात । रियान्याद्वात स्वात्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र स्वात्त्र उसम्भ ॥ १ हो द्रण्य ८ १ १ द १ १ व १ में भे भे हे प्रत्य ॥ १ १ द है िग्रा गार जिल्ला क्षेत्र प्राप्त कि के कि जिल्ला कि के जिल्ला कि कि जिल्ला कि के जिल्ला कि जि ीणर्ज ॥ °हरू र उदर्श जिहेंद्रीम हमस छ5 मम्ब्र निष्टिष्ण । 'ब्योग्जेबर रक्टें भारा रद्या स्ट्रिक्ट प्राप्यक्रिम एमार्स ? भारेंट रिप्टा रहदर्श्टमांप्र विभागमाध्य के उराहर क्रिक्स मार्थित

हर्द्ध राममंभ ट्रेपा हिन्द हो । विदर्श में महिन्द करिंद अधिक स्वार्ध के आधि अधिक उँदर्क हैं टी टी हिन्दी कि निर्मा करिया । प्रियं के प्राप्त हिन्दी ा वर्ष रक्षे पर्य पर्य एक्टर एक्टर विश्व । विश्व किल्य किल्य हिन् ट्टाप्ट क्या राज्य स्थान विभाग । विभाग स्थान मा स्थान रिसमण रेपार्विषा रिस्टीस पाठस्ट दुरुण । रिममभू मण र्माणर्भम रहिमान हणीछणीन र्डेण'हळ रूप्राष्ट्रीम प्राचर्डेस °भेर्घ छठाहरूक छूप्रीछर्सम एक निर्माण हो । 'स्रोयमा हो जार्म को जार्म हो जा । 'स्रोयस्त्र -'दश्कर भिन्नस्त अरुधा र दर्द एक भाम अरु<u>भर</u>णारमांत रुटेपा रिष्ठा ॥ बिर्द्रेष्ठ समझा भाजमात्री भ्र<u>स्थि</u>ये दर्भाष्ट्र हैं पार्वका ॥ बिराम थ

उजमर्ज । रेजमधर्टे उद्धमत हर्णायम उद्घर्यो उपरंह रू जमर्ज रेणेंट्रेयर्थ्य шाउ°णार्टेक प्रधायक प्रश्यकेत, प्राधानिक इंस्ट्रांक टेप्पट्रांक्टि प्रस्<u>रक्</u>के प्रस्टु। <u> एङ्धर</u>ञ्जमाधीयद्वेत ट्रेप्प॰राध ॥ १५३१ महासाधित हो । मार्म १५४ व्यक्टर्य के ५२० भिमंद ,दण्यदर्व अर्ज्या रमार्म -पा[®]राप्य ॥ दियार्ड पानुमा ४८पार्डम १णांभम <u>५५, १४८</u>डें द्यारस डेंपा[®]राप्य पाठमभदर् එ. , बप्प වෙක් වන් වර්ග වර්ග හෙරු හුර්ර ਆਜ਼ੇਜ ॥ භංග්ය ලාගවව වෙක්ග व्याण इम्हिटामि, एत्रेषु इक्षण मार्काल प्राची हेइसर, प्रावीण उपरवर्ग प्राचीन र्घरत ,फें दर्भवर्क के किम्म केम रमणुर , रिन्नामि एक मापालम रमवर्क ॥ दण्य हैं ए हैं पार्व का जान भवर्दि रिष्णण हैं र राज प्राप्त म

णहें गेंसे प्रसन्न टेंनूए व्यापी हेन्नर उन्तरं प्रेन्ट राज्या शिर होता महर राज्यम प्रदर्श प्योन, चिप्प हामा प्रत्याधिक प्रवाधिक प्र<u>ाप्त</u> हेन . अंत ज्याधिका ! अंत ! अंत ७४व द काँधो ५ मा कार्य अपान १ महर । र्टेपारिषय แदापाटा रिमाध्य रिमाम एस्ट्री प्राधित स्वर्धाट एवर्ष १ जाभिष्ठीय ग्रीस अग्राम् स्मान्य व्याप्तर अग्रामा स्थान हे स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त ॥ प्रत्यमञ्जाकी विषयि क्षाप्रक्ष

त्रेभ प्राप्य भिर्द

ोह्रीण गिर्श्व दर्भाषा लद

-മകംഭച്ചെ വുത്യം പട

॥ रिर्ट्र हर्ष रिप्पालीम हर्षे प्रस्तर्थ प्रामम हाप्रपार क्रिय मजनर जिल्ला पानाम भिष्मा रिपार्फ प्राप्ति जन रमर रूभी जे गाणमंत्र क्राप्तांद्रीय व्यवस् राम । जिल्लं प्रमाणा एक, प्रेपाएमा एक हिन्नु हुक्षिप्रहेन्नु मार्कित । स्माणी े सरीय मुद्ध गर्दर आर्प्र माम भिष्यम रूँ सरीयाणु गोगाणु माञ्चिष्ठएए स्रापेक देंक्या मिन्ना जिल्हा जीवर मेर CHACH CENT ARCS ECOM, EARL, ELLO CARA ॥ ॰ व्याँ स्ट्रीय की <u>श्रम्थ</u> अस्य व्याप्तर की प्राप्ति विश्व के जास्वर्याः आयाउन्न हर्द्धमाम् माम्बर्धः हर्दभ्र मह्या क्रिक्ट प्रांट हरज्जंद ए०० प्रात्मक्षरें अस् ॥ भित्रेहर् ा दण्टीया प्रतापक्ष प्रात्मक एद्ध्या एवा मिसम प्रतापक मार्चे ाउयार एक जिल्लास ग्रीम ॥ श्वरभग भर्रष्ठीवर्ष्य जादर्श्वराज्य ीगामक्र के स्वरत्मामव्हरीमक्र राहा ॥ विष्ठाहार स्वर्धा<u>सम्ब</u>रद्धात्वर अर्चेत ॥ जिर्वेश्व प्रत्य प्रमुद्धीयर्थ ॥ जिल्लामा त्रम्भ वर्वेश्व वर्ष्य अभ्य ගෘ र्गाएँ ग्राहरी स्वार्थ सम्बन्ध सम्बन्धा भारतीहरू हा त्रसमार्थ, दिलाम सरमार्थ सरप्रमान के के हर देख्न से मार्थ स्थान स्थान ॥ डिरुष्ट एदश्य पाध्यम ॥ दण्डं एदश्य प्रस्था हर्ष भीमणु 'उप्ताम एवं मत्रम ह्रोठ'रद हर्ष्य, भाषार्थ भन्न पाण्यक् थाटि पाठनेटागाँत प्रमहं हित्ता न्था थाप्रज्ञन् ॥ **स्रो**टोप्रभन् हरूपामहूम ॥ ऋर जरभमंजा , ऋर लगोगाणु भाम रिष्ठदर् ० अम ५ एक एक एक रिष्प प्रास्त्र कि भे विभाग प्रामुख -०७० स्ता जारह पार्ट पार्ट पार्ट पार्ट जिल्ला िषरियां आस्त्र मान्य पार्यम पारा महिष्य विषय मिर्पा अधिक ण्याः स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप अध्याप⁶राषा गार्ट्र राज्यम ग्राह्म पाप्रापाटाच्या पार्य ।। दापाटाचेराञ्च एञाप रिस सार्याप्य हिंदी एस अन्य दियो से बार्य प्रस्ति प्रभूतम टण्याम<u>ष्ठभ</u>्च ग्रह्म प्रधान्य

'O'न प्रतिक स्वाप्त के सम्माम वार्यक्रक का अवादि के अपने कि स्वाप्त सम्बन्ध के अपने कि अपने कि स्वाप्त के अपने ਾਲ ਤੇ ਸਾ <u>ਮਿਸ</u>ਪੂ ਨੇ ਲਗਭੀ ਜਾੜ ਹੁਆਂ ਦੇ ਦਾ ਦੇ ਕਾਲ रिंडर हर्र । फैंदर् एएलोषा जिष्य हरिंडर हर्र रोजमञ एरभार्या एयर भेर वर्ष हुमित्र सहुदर् होगा एक टेप्नरू४टप्परु,

'रागामात' महुसाम क्रमारा सहस्रात्र सहस्रात्र द्राप्त कार्या

अर्था जनसम उन्नर्ट पाधा उभीरत महित हमसर्च प्राप्त लडरेंद्र भीटर्गातिह एडरेंद्र भाहतंत्रम एक दर्म प्राप्ते हेस्स भन्न अही निर्माण अहम अहमिया विष्क क्रिया । दर्भ अहर ंजारिङ्गसम्म सीटाँग्रह भीडांगाहोत्र

. जामसङ्ग १९४५ हुए ए.स.स.म. १९५५ (१८५५) भारतहासा,

जानकर रुज्य हरमण्यम हिस्स, टेंस्का प्रसामक रुज्य के के

भोरशासित ग्रज्य तस्मायम सर्व ॥ येरा भारतर्व ग्रामार्थ्य भिष्ठम ॥ भिष्ठदर्श भिष्रामाष्ट्रा ८००३ ८४५% ॥ दाप्पठभणेरू पात्र स्रमर्रेदद 'सीर्गर्र र्षे रिदर्दर्

,णणण्य माण्यत ,रदर्ज भिषा । तद्भं दर्<u>गल</u> रिर्ह्र हर्ष ්) නෙන ගානයල්ට ... රාය 2002 ... රාහ

'ले' प्रान्त ००० ग्राप्त हुन हुने हुने हुने हुने जान्न कर कर भान्य कर कर कि क -पार्व्येट दमम गममभदर्र १४६ अच्या ४०२०स स्रोप्ताप्तर प्रोटि ॥ ीममर्त्र छोठ हरद हर्रद ह्याराप्पभेष्ट रपार्य २१२ प्रार्टपार्व्य छर

'प्रधापत से हें हैं जि , ज्यादर्श में एक कि , अर्थ के अ

'र्टेऋ' प्राएंस्४ऋ टॅऋ'

'लादर्ज श्रीमुख स्रीण स्राप्य प्राप्त संदे'

'प्रार्था के हे ने देव , जा सभी सार्व के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्र 'रेन्स्रें क्रियर्च, राज्यस्थ्यं प्रीम जन<u>ाभस्र</u>णाद्य जन्में रहे ॥ ਹਿਣਕੁਵ੍ਹ ਸਾਖੁਖ਼ਿਨ ਹੁਜਲੋਕ ,४% दमिष्य गोगाणारामहंम राभिष्ठष्याप्र भेर चाह्रज्ञन,

क्षेर दर्माषा उत्रत् दें है है जा महिल के के के सम्बन्ध महिल के कि -णादर्व्यक्र, <u>भश्</u>र श्रात प्रकार प्रात्त हर्ने प्राप्त क्षेत्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्र प्र प्र प्र प

්න් වන්න සේක් සූජා णार्द्ध ग्रद्ध जाञ्चर ग्रद्धमा ग्रद्धमा ग्रद्ध ग्रेण

ीण्डदर्क ऋरं रुमप्त ग्रञ्जू गुड्ख हरू रहभया हिमा विस्ता एक विश्व प्रमाम

॥ दर्रू गाऽपार्ण ज्ञरत्पाधदर्वाता सरहरूस भारहरू समहेरद ॥ दर्रू

भारतभीमा रहामार्थस्य देश वर्ष संभापभारत हैं भन्ने भूज पारस्त्रं मध्यम पारीज्यार्ष्हण्य सरमज्ञम ५० स्टीमाण टं, ला प्राप्तेज जर्मेन हुए ?'

'णाण्टर दर्ह्रष्रा'

'වාෆ්ෆ්සෙද් වීම ෆ<u>න</u>හාන

ह्रमध्य राज्यभाद्य मात्र 'क्षेश्व मामाद्य राग्ने जासद्यम ह्यम'

, गेठन्द्र मण, त्याच्याण प्रभार प्रभा भागिणार , भागार प्रेस , दममांत लगारपार्याम राज्याम णजर पामण स्थापण एश्म, स्थापण प्रमार्थ प्रभाषा अ , रिजापार्ट रिन्म प्रामद सरग्रीय सम ॥ १४५५ में जिज्ञापाधिका व्यॅट व्यसम हेर्म टॅ<u>र्ज्</u>यलार, सेमाल सेमटक्ट, टम्जाली रूपा स्रा ॥ 'ग्रह्म भेरे मह्य हरमं अस्य एटापार्ट अंध भर्य भर्य गिप्तभर प्रांक्षीठ श्राप्तम गिप्तभर ००२ ग्रिट ॥ द्रपा॰र जाप्तपार्क स्तरागस्य । दस र्रें एथर पागित रिप्प कि भिरागस्य रथातम र प्रबर्ग प्रभवर्ष स्वाधित प्रमान हुन प्रबर्भ प्रमान दर्भाषा लद …४%त दर्भाषा िन्हरण्यं ४१०४मर्त्र प्पल्यं , रिर्णं उन्में प्राप्त प्राप्त प्राप्त को हुन हुन स्था अपन के जिल्ल யா<u>⊗ம</u>ா, ஈጣயய55°₪ හසර සයණි පමසා ඵී් टेप्लए ऋस्टा